



माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल वर्ष 2018

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
सुरक्षा	9 6 4	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें



उत्तर पुस्तिका का संख्या 0517854

परीक्षार्थी का रोल नम्बर ✓

2	8	1	6	3	2	8	9	0
---	---	---	---	---	---	---	---	---

में

दो	आठ	एक	ह	तीन	दो	आठ	नौ	सूच्य
----	----	----	---	-----	----	----	----	-------

उप

9	5	6
---	---	---

पांच छः

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं का संख्या जका

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 3

ग :- परीक्षा का दिनांक 27 03 2018

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेंडरी परीक्षा केन्द्र क्रमांक 162001

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
27.3.18 मिलाला	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई हो। होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

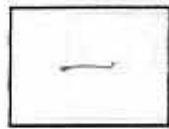
उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।			
प्रश्न क्रमांक	सम्प्र	प्राप्तांकों की प्रविष्टि करें।	(अंकों में)
1			
2			
3			
4			
5			
6			
7			
8			
9			
10			
11			
12			
13			
14			
15			
16			
17			
18			
19			
20			
21			
22			
23			
24			
25			
26			
27			
28			

Laser Inkjet/Copier Label A4S7-16 99.1x35.9mmx16

de/mol

3



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 3 के अंक

=



कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर 1

- (i) उपर्युक्त सभी ।
- (ii) अंगुलियों के निशान ।
- (iii) हाथ ।
- (iv) प्रेक्शन टावर ।
- (v) बाइं और चार दीवारी पर ।

B
S
E

उत्तर 2

- (क) हैंडहेल्ड मेटल डिटेक्टर (Handheld Metal detector)
- (ख) डोरफेक्स मेटल डिटेक्टर (Door frames metal detector)
- (ग) चोसिस के नीचे जाँच दर्पण (Under Chassis Investigation Mirror)
- (घ) डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (Digital video Recorder)
- (ङ) क्लोज्ड सर्किट टेलीविजन (Closed circuit television)

P.T.O.

4



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 4 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर $\Rightarrow$ 3

- (क) सत्य ।
- (ख) सत्य ।
- (ग) असत्य ।
- (घ) सत्य ।
- (ङ) सत्य ।

B
S

उत्तर $\Rightarrow$ 4

- (क) चोरी $\Rightarrow$ भौतिक सुरक्षा का उत्खनन
- (ख) घटना रिपोर्ट $\Rightarrow$ एक लिखित दस्तावेज
- (ग) घटना प्रवर्धन $\Rightarrow$ समाधानात्मक रोकथाम
- (घ) सुधारात्मक कार्यवाही $\Rightarrow$ घटना को हलका और उसी जगह रोक
- (ङ) खोज $\Rightarrow$ घटनाओं का पता लगाने का कार्य

P.T.O.

5



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 5 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर 5

परिधीय सुरक्षा :-

यह सुरक्षा एक विशिष्ट क्षेत्र को कवर करने के लिए की जाती है। सुरक्षा प्रणाली की रूपरेखा और प्रकार, परिसर का आकार, आंतरिक और बाह्य चुनौतियों के प्रकार और संसाधनों की रूपरेखा और उपलब्धता पर निर्भर करती है।

“परिधीय सुरक्षा को संक्षेप में 3-डी कहा जा सकता है” जो निम्न है।

- ① डैटर (रोकना)
- ② डिटेक्ट (पता लगाना)
- ③ डिसे (हटाना)

उत्तर 6

एचएचएमजी :-

एचएचएमजी का पूरा नाम है हेल्थ मेटल डिटेक्टर्स होता है। इसका उपयोग बंदूक, पिस्तौल, रिबॉल्वर, एवं अन्य खतरनाक सामग्री का पता लगाने में किया जाता है।

एचएचएमजी

साधनों की उपस्थिति का पता लगाने की सहाय्य करता है।

P.T.O.

6



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 6 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

डीएफएमडी $\Rightarrow$ डीएफएमडी का पूरा नाम डोर फ्रेम मैटल डिटेक्टर है। इसका उपयोग रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंड एवं एयरपोर्ट पर खतरनाक विस्फोटकों एवं अन्य हथियारों की जाँच का काम लगाने में किया जाता है। डीएफएमडी दरवाजे के आकार का होता है।

B
S
E

उत्तर 3 न

जमानती अपराध $\Rightarrow$ जमानती अपराध ऐसे अपराध होते हैं जिनको करने के परवाह संबंधित व्यक्ति मजिस्ट्रेट के समक्ष उपास्थित होकर जमानत प्रस्तुत करने पर उसकी जमानत मंजूर की जाती है। जमानती अपराध कहलाते हैं।

गैर जमानती अपराध $\Rightarrow$ गैर जमानती अपराध ऐसे अपराध होते हैं जिनमें अपराधी (संबंधित व्यक्ति) को मजिस्ट्रेट के समक्ष जमानत प्रस्तुत करने पर जमानत मंजूर नहीं की जाती है। गैर जमानती अपराध कहलाते हैं।

P.T.O.

7



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 7 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर $\Rightarrow$ 8

आई. ई.टी. के लिए मासिक पर इस्तेमाल किए जाने वाले टिगर डिवाइस निम्न हैं।

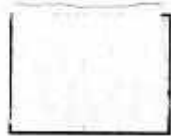
- (1) प्रकाश नियंत्रण
- (2) वेग नियंत्रण
- (3) निर्गम दबाव
- (4) दबाव नियंत्रण
- (5) एंटी रोस
- (6) एंटी ओपन
- (7) एंटी लिफ्ट
- (8) चाल नियंत्रण
- (9) समय नियंत्रण

उत्तर $\Rightarrow$ 9

पुनर् पुनर्चक्रण $\Rightarrow$ किसी भी पदार्थ को एक बार उसे दोबारा उपयोग में लाने के बाद पुनर्चक्रण कहलाता है।

वस्तुओं को फैकने के बजाय उनका पुनर्चक्रण किया जाना चाहिए। जैसे अखबार पेपर दैनिक उपयोग की प्लास्टिक के सामान आदि।

8



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 8 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर $\Rightarrow 10$

गश्त $\Rightarrow$ किसी क्षेत्र या इमारत के इर्द-गिर्द एक निश्चित समय के लिए यह जाँचने के लिए चक्कर चलाना की वह सुरति है कोई खतरा नहीं है। गश्त कहलाता है।

गश्त के उद्देश्य $\Rightarrow$ ① भौतिक तैनाती प्रतिबंधित होने पर भी पड़तों और संपत्तियों की सुरता करना।

② कानून व्यवस्था को बनाए रखना या कानून व्यवस्था का उल्लंघन न होने देना।

③ गैर कानूनी तत्वों में डर पैदा करना।

④ उपक्रम की और संपत्तियों की सुरता करना।

⑤ अप्रिय घटना ज़रि का गश्त के द्वारा होने वाली ज़रि को कम करना।

⑥ एक सुरक्षित एवं शांतिपूर्वक क्षेत्र को स्वरूप प्रदान करना।

⑦ समाज में वाद्यक तत्वों को हटाना।

9



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ - अंक

कुल अंक



उत्तर 11

संदिग्ध के पास जाते समय निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए।

संदिग्ध के पास जाते समय -

संदिग्ध के पास अकेले किसी भी मामले में नहीं जाना चाहिए जहाँ तक आवश्यक हो 'गश्त' में कम से कम दो व्यक्ति अवश्य होने चाहिए। क्योंकि हो सकता है कि संदिग्ध के पास कोई हथियार हो और वह खतरनाक साबित हो सकता है। यदि आप अकेले हो और संदिग्ध आपके सामने आ जाये तो उससे पर्याप्त दूरी बनाये रखते हुए संदिग्ध का पीछा करें। और किसी को मदद के लिए पुकारें। मदद मिलने पर संदिग्ध के पास जाना चाहिए।

10



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 10 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर 12

भीड़ $\Rightarrow$ "किसी स्थान पर अनायास ही एकत्र होने लोगों का भीड़ कहलाती है"।
कुछ भीड़ निम्न प्रकार है।

(1) तमाशाई भीड़ $\Rightarrow$ इस प्रकार की भीड़ किसी दुर्घटना आपदा घटना स्थल पर अनायास ही एकत्र होती है। तमाशाई भीड़ के लोग पाल खड़े उल्लूक लोग होते हैं। वे बिना किसी उद्देश्य के खड़े रहते हैं और यह भीड़ तमाशाई प्रभाव से प्रभावित होती है और आक्रामक हो सकती है।

उदाहरण के लिए लड़के अवरुद्ध करती भीड़ क्योंकि एक कार ने किसी पैदल यात्री को ठक्कर मार दी है।

(2) अभिव्यंजक भीड़ $\Rightarrow$ इस प्रकार की भीड़ समय नहीं होती है। और वे आक्रामक नहीं होती हैं। ये भीड़ अपने किसी नेता द्वारा संचालित होती हैं।

(3) आक्रामक भीड़ $\Rightarrow$ इस प्रकार की भीड़ कोष एवं रोषपूर्ण होती है और वे अपने कोष से क्रोध की लीमाझी का भी उल्लंघन कर देती हैं।

P.T.O.

11



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 11 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

(4) दर्शक मीड $\Rightarrow$ इस प्रकार की मीड शांत एवं सभ्य होती है और यह मीड सीरे-सीरे एकत्रित होती है। लेकिन परिणामों के आधार पर ये मीड असभ्य और दगाई भी हो सकती है।
उदाहरण के लिए किसी क्रिकेट मैच या मुक्केबाजी आदि के मुकाबले में परिणाम के आधार पर दंगा करने वाली मीड।

(5) अजनशील मीड $\Rightarrow$ अजनशील मीड की विशेषता होती है कि यह अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए एकत्रित होती है। इस मीड का कोई लीडर या नेता नहीं होता है यह मीड अपने स्वार्थ के लिए एकत्रित होती है।
उदाहरण के लिए किसी पानी के अभाव वाली कौलोनी में पानी के टैंकर के पीछे पड़ती मीड और वादग्रस्त और सूखेग्रस्त क्षेत्रों में खाद्य पौकड़ों को प्राप्त करने के लिए अजनशील मीड।

12



+



=



योग ५ पृष्ठ

पृष्ठ 12 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर ⇒ 13

"आग-तुक से होने वाले खतरों को कम करने के लिए आग-तुक प्रवचन की आवश्यकता होती है। आग-तुक प्रवचन की आवश्यकता को निम्न सारणी द्वारा समझा जा सकता है।"

B
S
E

व्यक्ति का प्रकार	संबंधित जानकारी	परिसर के भीतर अवधि	खतरा
① कर्मचारी	जानकारी उपलब्ध है।	नियमित समय से कार्य समाप्ति तक	खतरों की आशंका कम
② मजदूर	उपलब्ध है।	एक सप्ताह या अधिक	अधिक काम
③ आग-तुक	उपलब्ध नहीं है।	कुछ घंटे	अत्यधिक ज्यादा

उपरोक्त सारणी के अध्ययन से स्पष्ट हो जाता है कि आग-तुक प्रवचन की आवश्यकता कितनी महत्वपूर्ण है।

P.T.O.

13



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 13 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर $\Rightarrow 14$

कंपनी के मुख्य द्वार पर स्थित आगन्तुक इन - आउट
रजिस्टर का विवरण प्रपत्र तालिका निम्नानुसार
होगी।

प्रपत्र तालिका -

क्रमांक	आगन्तुक का नाम	मोबाइल नं.	पता एवं कार्यस्थल	काम	समय
1	श्री प्रताप सिंह पटेल	98468789 89	इंदौर, पटेल सैल्स एजेंसी इंदौर	सैल्स मेनेजर दो गिटिंग के लिए	10:00 AM

हस्ताक्षर

Patel Singh

P.T.O.



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 14 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर 15

नियंत्रण के दौरान अप्रिय घटना होने पर -

स्थापन में तीसी टीवी एवं आइपीटीवी कमरों द्वारा निगरानी की जाती है जिनका नियंत्रण नियंत्रण कम कब हो होता है। नियंत्रण कम या कंट्रोल रूम में कई डिस्टेंस होती है जिन पर आलग-आलग स्थान के प्रियाकलाप दर्शाय जाते हैं और कंट्रोल रूम में एक भा या दो एवं अधिक व्यक्ति रहते हैं जो एक साथ सभी डिस्टेंस पर निगरानी करने में सक्षम प्राप्त होती हैं।

नियंत्रण के दौरान यदि कोई अप्रिय घटना होती है तो सबसे पहले अपने ऑफिसर या उच्च सुरक्षाकर्मी को तत्काल सूचना दी जाये कि संबंधित स्थान पर कुछ अप्रिय घटना नोट की गई। अतः घटना स्थल पर पहुंचकर अपनी वाह की पुष्टि करें और स्थापन की सुरक्षा सुनिश्चित की जाये। अप्रिय घटना के संकेत के तुरंत बाद सुरक्षा कर्मियों को सूचना दिया जाना आवश्यक है।

15



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 15 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर 316

पहुँच नियंत्रण के तौर पर अपनाई जाने वाली
पाँच प्रणालियाँ निम्न हैं।

(1) रोकवाम लैसा की लोकप्रिय कहावत है कि
“रोकवाम उपाय से बेहतर है” भीक
वैसा ही शिक्षा में पहुँच नियंत्रण पर लागू होता
है।

(2) ताला ताला पहुँच नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका
निभाता है। यह सामान्यतः गेट पर
दुरता के लिए लगाए जाते हैं।

(3) इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कार्ड रीडर इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कार्ड रीडर
में पहुँच नियंत्रण प्रणाली
का एक महत्वपूर्ण घटक है। इसमें डेटा एक
मैग्नेटिक स्ट्रिप में होता है। और ये कार्ड
वाणिज्यिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों में प्रयोग
किये जाते हैं।

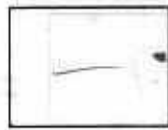
(4) प्रॉक्सिमिटी कार्ड रीडर प्रॉक्सिमिटी कार्ड रीडर में
पहुँच नियंत्रण कारकों में महत्वपूर्ण है।
और ये कार्ड चावियों की तुलना में
अधिक सुविधानुक्त होते हैं। और ये कार्डों
की विशेषता है कार्ड को घिस या तोड़ने
के बिना ही उसे पढ़ा जा सकता है।

P.T.O.

16



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 16 के अंक

कुल अंक

5) एकल-रे मशीन :-

सामान्यतः पुंछ नियंत्रण के लिए एकल-रे मशीन का भी प्रयोग किया जाता है इसमें एकल-रे मशीन का प्रयोग करने पर दिखाई गई वस्तुओं का पता लगाया जा सकता है।

6) वायुमैट्रिक पुंछ नियंत्रण :- इस प्रणाली में शरीर के विभिन्न अंगों जैसे

आंख की पुतलियों अंगुलियों के निर्माण आदि का विवरण रिकॉर्ड किया जाता है। संबंधित अंग को रीडर के सामने करने पर रीडर प्रयोजन की जांच करता है और टेम्पलेट को मैज देता है यदि छवि मिलती है तो पुंछ नियंत्रण प्रणाली सक्रिय हो जाती है।

P.T.O.



योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ 17 के अंक

=



कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर :-

सीसीटीवी $\Rightarrow$ सीसीटीवी का पूरा नाम क्लोज्ड सर्किट टेलीविजन होता है। यह एक अत्यंत लोकप्रिय सतर्कता यंत्र है जो घरानों की तस्वीर तत्काल खींच सकता है और इन्हें दाय्य के लिए रिकॉर्ड में रख सकता है।
सीसीटीवी कैमरा के प्रकार निम्न हैं।

1) डोम (गुम्बर) कैमरा $\Rightarrow$ जैसा कि नाम से स्पष्ट है कि यह गुम्बर के आकार का कैमरा होता है। होरी रेंज के भीतरी अनुप्रयोगों एवं परिवार को सुरक्षा के लिए इस कैमरा का प्रयोग किया जाता है। यह कैमरा एक निश्चित छत चाप के अंतर्गत ही तस्वीर खींचता है।

2) स्थिर कैमरा $\Rightarrow$ ये कैमरे एक निश्चित दिशा में निगरानी के लिए लगाये जाते हैं। और होरी रेंज, परिवार, कार्यलय आदि के लिये ये आशुष माने जाते हैं।

3) साधारण कैमरा $\Rightarrow$ यह साधारण कैमरा होता है जो प्रकाशरहित एवं चारों ओर निगरानी नहीं कर सकता है। सामान्यतः ऐसे कैमरे प्रयोग में कम लाये जाते हैं।



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 18 के अंक

कुल अंक

प्रश्न क्र.

4) आदिभारभार कैमरा ⇒ आदिभारभार कैमरे का प्रयोग प्रकाशरहित एवं कम दृश्यता की स्थिति में उपयुक्त माना जाता है यह कैमरा ऐसी स्थिति में आत्मा से अपना कार्य (निगरानि) कर सकता है।

5) पीट्रोल कैमरा ⇒ यह कैमरा पेट्रोल रिट्ट एवं शुभ्र कैमरा होता है। ये कैमरे दूर से ही कार्य को नियंत्रित कर सकते हैं जैसे किसी व्यक्ति मक्का पत्त को बड़ा करके दिखाना, बाएँ से दाएँ दिखाना, ओढ़ बापस हाएँ से बाएँ उपर से नीचे एवं नीचे से उपर दिखाना।

B
S
E



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 19 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर 3 18

पी.एस.ए.आर.ए. 3 पी.एस.ए.आर.ए. यानि की प्राइवेट सिविलियरी एजेंसी रेगुलेशन

एक्ट 2005 में बनाया गया अधिनियम है।

पीएसएआरए न केवल जान-माल

की सुरक्षा उपलब्ध कराता है बल्कि बड़ी

संख्या में देश में पुरुषों महिलाओं को

रोज रोजगार भी उपलब्ध कराता है।

किसी भी व्यक्ति को पीएसएआरए के निष्

चपन या खोलने के लिए उसके चरित्र के

पूर्वव्रत का सत्यापन किया जाता है और

चरित्र के दस्तावेजों अपनी योग्यता आदि को

दिखाया जाना आदि होता है। पीएसएआरए

निजी सुरक्षा अधिनियम के प्रयोग में आने से

हमें कई लाभ हुए हैं जैसे निजी सुरक्षा देना

आदि।

सन् 2005 में पीएसएआरए निजी सुरक्षा

एजेंसी अधिनियम का दौंचा उपलब्ध कराया

गया राज्य सरकारों से अपेक्षा है कि वे

इसके अनुरूप कार्रवाई सिद्ध होंगे।



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 20 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

उत्तर 39

विस्फोटकों को निम्न श्रेणियों में बांटा गया है।

- ① उच्च विस्फोटक
- ② निम्न विस्फोटक

B
S
E

निम्न विस्फोटक ⇒ निम्न विस्फोटक अधिक तीव्रता और गहनता के साथ जलते हैं। निम्न विस्फोटक में फटते पहे या विस्फोट नहीं होता है। अतः निम्न विस्फोटक का प्रयोग उच्च विस्फोटक के साथ मिलाकर किया जाता है। निम्न विस्फोटक उच्च विस्फोटक की तीव्रता बढ़ाने में उपयोग किये जाते हैं। लेकिन कभी-कभी निम्न विस्फोटक भी फट सकते हैं।

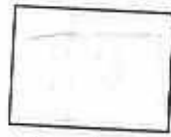
उच्च विस्फोटक ⇒

उच्च विस्फोटक फटते हैं अर्थात् इनमें विस्फोट होता है। उच्च विस्फोटक का उपयोग खदानों में और पुरानी इमारतों को गिराने में किया जाता है। सामान्यतः उच्च विस्फोटक निम्न विस्फोटकों की अपेक्षा अधिक गंभीर व खतरनाक होते हैं।

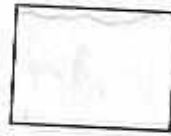
विस्फोटक के प्रकार

① धरेख निर्मित या आईईडी

21



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 21 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

- 1.1 पैसे के प्रकार का आइडिया
 - 1.2 आत्मघाती आइडिया
 - 1.3 वाहन आइडिया
- (2) सांसायनिक रूप से तैयार विस्फोटक

उत्तर $\Rightarrow$ 20

ग्राहक सम्बंध प्रवचन $\Rightarrow$ "ग्राहक सम्बंध प्रवचन से आशय उन विधियों व उपकरणों से है जिनसे यह निश्चित होता है कि ग्राहकों से सम्बंध मजबूत करना है।"

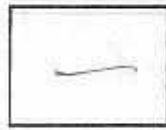
ग्राहक सम्बंध प्रवचन के लाभ $\Rightarrow$

1. यह सुनिश्चित होता है कि ग्राहक के वफादार बने रहने और उत्पादों की बढावा देने के अधिक अवसर लेते हैं।
2. कंपनियों से जनता के प्रति उत्तरदायित्व का भाव दिखाने की आशा की जाती है क्योंकि इससे सार्वजनिक क्षेत्र के लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
3. सरकार एक ओर देश के विकास के लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाने के बदले दबाव को सामना करती है और दूसरी

P.T.O.



+



=



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 22 के अंक

कुल अंक

प्रश्न क्र.

- शौर ग्रहक सम्बन्ध प्रवन्धन का । ग्रहक सम्बन्ध प्रवन्धन से सरकार पर श्वाव कम होता है।
- (4) ग्रहकों में उचित व्यवहारिक सम्बन्ध बनाने में सहायता मिलती है।
- (5) ग्रहकों का विश्वास में बढी हो जाती है।

B
S
E